

This question paper contains 3 printed pages.]

आपका अनुक्रमांक,

2366

A

M. A. History/IV Semester
Course—HSM—238
History of Medieval Rajasthan
(Admission of 2009 and onwards)

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 75

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 75

*(Write your Roll No. on the top immediately
on receipt of this question paper.)*

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित
स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note : Answers may be written *either* in English *or* in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी : इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt any four questions.

All questions carry equal marks..

कोई चार प्रश्न कीजिए।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

[P.T.O.]

1. Evaluate the importance of Archival sources for writing the social and economic history of medieval Rajasthan.

मध्यकालीन राजस्थान के सामाजिक और आर्थिक इतिहास के लेखन के लिए पुरालेखी स्रोतों के महत्व का मूल्यांकन कीजिए।

2. Discuss the process of the formation of Mewar State in Rajasthan.

राजस्थान में मेवाड़ राज्य के निर्माण की प्रक्रिया का विवेचन कीजिए।

3. Analyse the nature of the Mughal-Rajput alliance. Also discuss the issues which disrupted this alliance after the reign of Shahjahan.

मुगल-राजपूत मैत्री की प्रकृति का विश्लेषण कीजिए। शाहजहाँ के शासन-काल के बाद इस मैत्री को विघटित करने वाले मुद्दों का भी विवेचन कीजिए।

4. Write an essay on the life and Bhakti of Mirabai with special reference to Prita Mukta's work.

प्रीता मुक्ता की कृति के विशेष संदर्भ में मीराबाई के जीवन और भक्ति पर एक निबन्ध लिखिए।

5. Discuss the role of the Karni Mata temple at Deshnok in the legitimization of the Bikaner State during the fifteenth and sixteenth centuries.

पन्द्रहवीं और सोलहवीं शताब्दियों में बीकानेर राज्य के वैधीकरण में देशनोक के करनी माता मन्दिर की भूमिका का विवेचन कीजिए।

6. Discuss the structure of village society and the role of Village Panchayats in medieval Rajasthan.

मध्यकालीन राजस्थान में ग्राम-समाज की संरचना और ग्राम पंचायतों की भूमिका का विवेचन कीजिए।

7. Analyse the nature of peasant revolts in eastern Rajasthan during C. 1650-1750 AD.

सन् 1650-1750 ईस्वी के दौरान पूर्वी राजस्थान में कृषक विद्रोहों के स्वरूप का विश्लेषण कीजिए।

8. Discuss the pattern of agricultural production in the territories of Jaipur state during 1650 to 1750 AD.

1650 से 1750 ईस्वी के दौरान जयपुर राज्य के क्षेत्रों में कृषि उत्पादन के स्वरूप का विवेचन कीजिए।